B.A.M.S.[2nd Prof.]

BF/2008/11

Agad Tantra Viyvhar Avam Vidhi Vaidyak - A

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. दूषि विष एवं गर विष की परिभाषा लिखते हुए विष के वेगों का वर्णन तथा संक्षेप में उनकी चिकित्सा का निर्देश करें। 15

2. आहार विष, सामरिक विष के लक्षण, उनकी चिकित्सा लिखें। 15

3. कार्बन मोनोक्साईड की विषाक्तता के लक्षण व चिकित्सा लिखते हुए शव में (मृत्युतोतर) लक्षण लिखें। 15

4. विषों की व्याख्या करते हुए विष कानून सम्बन्धी उपयुक्त बातें बताए तथा विषों को मन्द करने के सामान्य उपाय लिखें। 15

5. रक्त करवीर व गोजर विष की विषाक्तता के लक्षण व उनकी चिकित्सा का वर्णन करें। 15

6. **निम्न पर टिप्पणी लिखें।** 15
   - क) अजेय घृत
   - ख) संजीवनी अगंद
   - ग) शंकाविष चिकित्सा
   - घ) एरंण्ड विषाक्तता के लक्षण
   - ड.) क्लोरीन विषाक्तता के लक्षण व चिकित्सा

B.A.M.S.[2nd Prof.]

BF/2008/11

Agad Tantra Viyvhar Avam Vidhi Vaidyak - B

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. व्यवहार आयुर्वेद की परिभाषा बताकर मृत्यु का काल निर्धारण (Estimation of the time of death) किस प्रकार करेंगे, स्पष्ट करो। 3 + 12 = 15

2. विद्युत दाह के लक्षण (Features of Electrocution) बताकर विद्युत द्वारा होने वाली मृत्यु के कारण स्पष्ट करो। 10 + 5 = 15

3. दम घुटने के प्रकारों (Types of suffocation) का वर्णन करो। 15

4. स्पष्ट करें - 15
   a) Schizophrenia
   b) COT Death

5. बलात्कार की परिभाषा लिखकर लैंगिक अपराधों को वर्गीकृत करो। 15

6. टिप्पणी लिखें। 5 + 5 + 5 = 15
   a) Consumer Protection Act
   b) Different types of Lip Print
   c) Different measurements of uterus after delivery

B.A.M.S.[2nd Prof.]

BF/2008/11

Rog Vigyan - A

M.M. : 90 Time : 3 Hours

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. क्रियाकाल से क्या अभिप्राय है, इसे लिखकर, दोष धातु सम्मूर्च्छना का विवरण विस्तार से करें। 15

2. व्याधिक्षमता की परिभाषा लिखकर, संतर्पण व अतर्पण जन्य व्याधियों का पूर्ण रूप से विवेचन करें। 15

3. **निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखें।** 5 + 5 + 5 = 15
   - क) कर्कटार्बुद
   - ख) धातुनाश
   - ग) उपधातु जन्म प्रदोषज विकार

4. दोष पाक एंव धातुपाक का स्पष्टीकरण उपरान्त, लक्षण व चिह्न पर प्रकाश डालें। 15

5. अष्टविध परीक्षा से क्या अभिप्राय है, इसकी संक्षिप्त रूप से व्याख्या करें। 15

6. **निम्नलिखित पर नोट लिखें।** 5 + 5 + 5 = 15
   - क) चतुर्विध परीक्षा
   - ख) आशयापकर्ष
   - ग) अरिष्ट

B.A.M.S.[2nd Prof.]

BF/2008/11

Rog Vigyan - B

M.M. : 90 Time : 3 Hours

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. प्रमेह रोग के निदान, लक्षण, सम्प्राप्ति एवं भेदों का विस्तृत वर्णन करें। यथावश्यक आधुनिक मत भी लिखें। 15

2. क्लैब्य (Impotence) के विभिन्न कारणों, लक्षण, सम्प्राप्ति का वर्णन कर, इस रोग के प्रकारों का आधुनिक मतानुसार वर्णन करें। 15

3. अतिसार, ग्रहणी एवं विसूचिका की पंचनिदानात्मक साधर्म्य एवं वैधर्म्य की व्याख्या कीजिए। 15

4. ग्रधसी रोग का निदान, लक्षण एवं सम्प्राप्ति का सचित्र वर्णन कीजिए। आधुनिक मत भी आवश्यक है। 15

5. उन्माद एवं अपस्मार रोग के लक्षणों में पाँच अन्तर लिखते हुए, अपस्मार रोग का पंचनिदानात्मक वर्णन करें। 15

6. **निम्न पर टिप्पणी करें।** 5 + 5 + 5 = 15

   A) Sterilization and disinfection.

   B) Polio.

   C) Vit. 'D' deficiency disorders.

B.A.M.S.[2nd Prof.]

BF/2008/11

Charak Samhita
(Poorvardha)

M.M. : 90 Time : 3 Hours

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. प्राकृत एवं वैकृत शरीर वायु के कर्मों को समझाकर कफ एवं पित्त के चरक अनुसार कार्य लिखो। 15

2. विविध एषणाओं को समझाकर जन्म के कारणों को विस्तार से लिखें। 15

3. निदानार्थकर रोगों का वर्णन कर रक्त पित्त रोग के कारण एवं भेदों को विस्तार पूर्वक लिखें 15

4. प्रकृति सम समवेत तथा विकृति विषम समवाय सिद्धान्त को विस्तार से लिखकर अष्ट आहार विधि-विशेषायतन को संक्षेप में लिखें। 15

5. प्रज्ञापराध एवं सत्याबुद्धि को बताकर रोगी की त्रिकाल वेदना में किसकी चिकित्सा होती है, विस्तारपूर्वक लिखें। 15

6. प्रकृति एवं विकृति से किस प्रकार परीक्षा की जाती है? पुष्पित केन्द्रीय अध्याय में किस प्रकार के अरिष्टों का वर्णन किया गया है। विस्तार पूर्वक बताएं। 15

B.A.M.S.[2nd Prof.]

BF/2008/11

Swasthvritta - A

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निद्रा की उत्पत्ति व भेद लिखते हुए स्वप्न सम्बन्धित अरिष्ट लक्षणों के बारे में भी लिखें। 15

2. वेगधारण के दोष बताते हुए, मिथ्या विहार से व्याधियों की उत्पत्ति के बारे में विस्तार से प्रकाश डालें। 15

3. स्वस्थवृत्त के प्रयोजन का वर्णन करते हुए, निद्रा व स्वास्थ्य के परस्पर सम्बन्ध का भी वर्णन करें। 15

4. व्यवसायजन्य वायु प्रदूषण क्या है? उनका स्वास्थ्य पर क्या प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है? के बारे में विस्तृत रूप से वर्णन करें। 15

5. रोगान्तिका (Measles) नामक रोग के कारण, लक्षण आदि का वर्णन करते हुए प्रतिरोध के उपाय के बारे में भी वर्णन करें। 15

6. वायु का प्राकृतिक प्रयोजन क्या है? उसका महत्व स्वास्थ्य के लिए क्या है? लिखते हुए वायु की अशुद्धियों के बारे में विस्तार से लिखें। 15

B.A.M.S.[2nd Prof.]

BF/2008/11

Swasthvritta - B

M.M. : 90 Time : 3 Hours

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. अष्टांग योग का विस्तृत वर्णन करें। 15

2. प्राकृतिक चिकित्सा के स्वरूप का उल्लेख करते हुए "सूर्य चिकित्सा" का वर्णन करें। 15

3. **निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखें ।** 3x5=15
   क) योगाभ्यास काल में पथ्यापथ्य
   ख) पञ्चक्लेश
   ग) नैष्ठिकी चिकित्सा

4. स्वास्थ्य विषयक सांख्यिकी संकलन विधि, लक्ष्य तथा जन्म-मृत्यु दर मापने की विधियों का वर्णन करें। 15

5. मातृ एवं शिशु कल्याण कार्यक्रम का विस्तृत वर्णन करें। 15

6. **निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखें ।**
   क) स्वास्थ्य प्रशासन 3x5=15
   ख) विश्व स्वास्थ्य संगठन
   ग) मम्पस

B.A.M.S.[2nd Prof.]

BF/2008/11

Dravyaguna Vigyan - A

M.M. : 90 Time : 3 Hours

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. द्रव्य गुण शास्त्र का लक्षण लिखते हुये, द्रव्य का लक्षण लिखें। 15

2. गुण की निरुक्ति और लक्षण का विस्तृत वर्णन करते हुये गुर्वादि गुणों की संख्या व उनका नाम भी लिखें। 15

3. विपाक की निरुक्ति एवं लक्षण का विस्तृत वर्णन करते हुये, विपाक भेद निर्धारण में विभिन्न मतों से विवेचना का वर्णन करें। 15

4. **निम्नाकिंत कर्म वाचक परिभाषाओं का सोदाहरण वर्णन करें।** 15
   क) दीपन
   ख) पाचन
   ग) अनुलोमन

5. **निम्नांकित में से किन्ही दो पर टिप्पणी लिखें।** 15
   क) धन्वन्तरि निघण्टु
   ख) राजनिघण्टु
   ग) दशमूल

6. प्रशस्त भेषज की परिभाषा लिखते हुये, भैषज्य काल का विस्तृत वर्णन करें। 15

B.A.M.S.[2nd Prof.]

BF/2008/11

Dravyaguna Vigyan - B

M.M. : 90 Time : 3 Hours

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित द्रव्यों के वानस्पतिक नाम, गुणकर्म, प्रयोज्यांग एवं औषध मात्रा का उल्लेख करें। 15
   - अ) कारबेल्लक
   - ब) रोहितक
   - स) जयपाल

2. निम्नलिखित द्रव्यों के वानस्पतिक नाम, वाह्य वानस्पतिक परियच तथा औषध योगों का वर्णन करें।
   - अ) रास्ना
   - ब) गोजिह्वा
   - स) मेथिका 15

3. टिप्पणी लिखें। 15
   - अ) शुक्ति
   - ब) मृगश्रृङ्ग.
   - स) पाषाण भेद

4. अधोलिखित द्रव्यों के वानस्पतिक नाम, मुख्य पर्याय तथा गुणकर्म का वर्णन करें। 15
   - अ) अतिविष
   - ब) कर्कट श्रृङ्गी
   - स) मदनफल

5. निम्नलिखित द्रव्यों के वानस्पतिक नाम, वाह्य वानस्पतिक परिचय, प्रयोज्याङ्ग. एवं विशिष्ट योग का वर्णन करें। 15
   - अ) बिभीतक
   - ब) श्योनाक
   - स) चित्रक

6. टिप्पणी लिखें । 15
   - क) अन्तःस्रावी ग्रन्थियों के स्राव (Hormones)
   - ख) जीवाणु प्रतिरोधक औषधियाँ (Antibiotics)
   - ग) सप्तपर्ण

B.A.M.S.[2nd Prof.]

BF/2008/11

Ras Shastra Avam Bhassajya Kalpana - A

M.M. : 90 Time : 3 Hours

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. रस तथा रसायन में अन्तर स्पष्ट करते हुये रसशास्त्र के इतिहास पर अति संक्षिप्त प्रकाश डालें। 15

2. **निम्न पारिभाषिक शब्दों का स्पष्टीकरण दीजिये।**
   - अ) भस्म परीक्षा विधियाँ 5
   - ब) बालुकायंत्र 5
   - स) मूषा एवं इसके आधुनिक स्वरूप का ज्ञान 5

3. **पुट की परिभाषा लिखते हुए निम्न की सम्यक् व्याख्या कीजिये** 3
   - अ) गजपुट एवं कपोतपुट 6
   - ब) पुट हेतु आधुनिक विद्युत भट्टी का सिद्धान्त किस प्रकार उपयोगी हो सकता है अथवा नहीं। स्पष्ट व्याख्या करें। 6

4. धातु की परिभाषा एवं वर्गीकरण का वर्णन करते हुये पूतिलौह का शाब्दिक अर्थ तथा इसकी धातुओं को समझाते हुये "रजत" के शोधन मारण एवं गुणों को लिखें। 15

5. अ) उपरसों की गणना करते हुए हरताल की शोधन प्रक्रिया का वर्णन कीजिये। 8
   ब) रससिन्दुर निर्माण की विधि की विशद् व्याख्या करें। 7

6. अ) विष एवं उपविष का वर्गीकरण करते हुये वत्सनाभ का शोधन एवं उपयोग लिखें। 7
   ब) **निम्नलिखित का शोधन लिखें।** 8
      1) नाग
      2) शंख
      3) अभ्रक
      4) गन्धक

B.A.M.S.[2nd Prof.]

BF/2008/11

Ras Shastra Avam
Bhassajya Kalpana - B

M.M. : 90 Time : 3 Hours

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. औषधि और भैषज्य में अन्तर स्पष्ट करते हुए भैषज्य कल्पना के इतिहास का विस्तारपूर्वक वर्णन किजिए। 15

2. मान के भेद बताते हुए मान का चरक तथा सुश्रुत मतानुसार विस्तृत वर्णन कीजिए। 15

3. **निम्नलिखित कल्पों का परिचय, निर्माण विधि, मात्रा, गुण-उपयोग व अनुपान का विस्तार पूर्वक वर्णन कीजिए।** 15
   क) गुग्गुल कल्प
   ख) अर्क
   ग) अवलेह

4. च्यवनप्राश अवलेह के घातक द्रव्य निर्माण विधि, मात्रा व गुण उपयोग का विस्तार पूर्वक वर्णन कीजिए। 15

5. सन्धान कल्पना से आप क्या समझते हैं तथा आसव-अरिष्ट में भेद स्पष्ट करते हुए जात्यादि घृत का निर्माण, घटक द्रव्य व गुण-उपयोग लिखो। 15

6. **निम्न पर टिप्पणी लिखें।**
   क) शत्धौत घृत 15
   ख) कृशरा
   ग) तर्पण
   घ) स्किथ तैल
   ड़) नस्य

B.A.M.S.[Final Prof.]

BF/2008/11

Shalakya Tantra - A

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. शालक्य तंत्र के इतिहास का संक्षिप्त वर्णन करते हुए, नेत्र शरीर का सचित्र वर्णन प्रस्तुत करें। 15

2. नेत्र के कार्यों का वर्णन करते हुए, दृष्टि पथ (visual Pathway) का सचित्र वर्णन करें। 15

3. टिप्पणी लिखिए। 3 + 3 + 3 + 3 + 3 = 15
   - क) अलजी
   - ख) नेत्र परीक्षा
   - ग) पोथकी
   - घ) पक्ष्मकोप
   - ड.) निमेष

4. शुक्लगत रोगों का वर्णन करते हुए, सिराजाल एवं सिरापिडिका में अन्तर बताएं। अर्म रोगों में वर्णित शल्य चिकित्सा का वर्णन करें। 15

5. सव्रण शुक्त एवं अव्रण शुक्ल का वर्णन करते हुए, इनके उपद्रव लिखिए। इन रोगों में की जाने वाली आधुनिकतम औषधी एवं शल्य चिकित्सा का उल्लेख करें। 15

6. संक्षिप्त टिप्पणी लिखें। 3 + 3 + 3 + 3 + 3 = 15
   - क) अभिष्यन्द
   - ख) अधिमन्थ
   - ग) धूमदर्शी
   - घ) कफज लिङ्गनाश
   - ड) राष्ट्रीय अन्धत्व निवारण कार्युक्रम

B.A.M.S.[Final Prof.]

BF/2008/11

Shalakya Tantra - B

M.M. : 90 Time : 3 Hours

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. प्रतिश्याय से कर्ण रोग कैसे होता है? कर्णशूल रोग के कारण, लक्षण, सम्प्राप्ति व चिकित्सा लिखें। 15

2. सूर्यावर्त शिरोरोग के कारण, लक्षण, सम्प्राप्ति लिख कर आधुनिक मत सहित वर्णन करें। 15

3. नोट लिखें। 5 + 5 + 5 = 15
   क) कर्ण पूरण
   ख) नासा परीक्षण विधि
   ग) नव/आम प्रतिश्याय चिकित्सा

4. हनुमोक्ष रोग के कारण, लक्षण व चिकित्सा लिख कर दन्तरक्षा व दन्त रोग प्रतिषेधोपाय लिखें। 15

5. ओष्ठ रोगों के लक्षण व चिकित्सा लिखें। 15

6. नोट लिखें। 5 + 5 + 5 = 15
   क) कर्णगूथ (*Ear wax*)
   ख) रोहिणीरोग
   ग) दन्तनाड़ी

B.A.M.S.[Final Prof.]

BF/2008/11

Charak Samhita
[Uttrardha]

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. वाजीकरण की निरुक्ति स्पष्ट करें तथा चरकमतानुसार स्त्रीसंयोग किस वय से कितने वय तक करना चाहिए और क्यों? साथ में शुक्रक्षय के कारण भी बतायें। 15

2. गलग्रहं पूतिनस्यं मूर्च्छायमरुचिं ज्वरम्।
गुल्मं प्लीहानमानाहं किलासं कृच्छ्रमूत्रताम्।।
कुष्ठा न्यर्शांसि वीसर्प वर्णनाशं भगन्दरम्।।
बुद्धिन्द्रिययोपरोधं च कुर्यात्.....
ये व्याधियाँ किस व्याधि में दुष्ट रक्त को रोकने से होती हैं। इसकी चिकित्सा चरकमतानुसार संक्षेप में वर्णित करें। 15

3. पाण्डुरोग किस कारण से कामला में परिवर्तित हो जाता है? स्पष्ट करते हुए शाखाश्रित कामला के विषय में चिकित्सा सहित विस्तार से वर्णन करें। 15

4. वामक द्रव्यों के शरीर के ऊपरी भाग से निकलने तथा विरेचक द्रव्यों के शरीर के अधोभाग से निकलने का क्या कारण और प्रक्रिया है? विस्तार से लिखें तथा यह भी बताएं कि वामक द्रव्यों में मदनफल क्यों सर्वश्रेष्ठ चरक में बताया गया है मदनफल के संग्रह और प्रयोग विधि को भी बतायें। 15

5. शिरोविरेचन (नस्य) अयोग्य कौन कौन से व्यक्ति होते हैं और उन्हें शिरोविरेचन न देने में क्या कारण होते हैं स्पष्ट करें। 15

6. टिप्पणी लिखें। 5 + 5 + 5 = 15
   क) आचार रसायन
   ख) अतत्वाभिनिवेश
   ग) आठमहादोषकर भाव

B.A.M.S.[Final Prof.]

BF/2008/11

Kaumarbhritya

M.M. : 90 Time : 3 Hours

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. कौमारभृत्य की परिभाषा लिखिए। इस विषय के महत्व एवं व्याप्ति का वर्णन कीजिए। 15

2. अ) आहार के अनुसार बालकों का वय वर्गीकरण। 5
   ब) अप्रगल्भ शिशु (preterm baby) के लक्षण। 5
   स) अष्ट क्षीर दोष का नामोल्लेख करें। 5

3. अ) मातृ स्तन्य की श्रेष्ठता प्रतिपादित करें। 5
   ब) बालकों का सामान्य चिकित्सा सूत्र। 5
   स) दन्त सम्पत। 5

4. बालकों में कुपोषण जन्य व्याधियों का वर्णन करते हुए उनकी चिकित्सा लिखिए। 15

5. बालकों में व्याधि क्षमत्वीकरण (immunisation) का वर्णन करें। 15

6. अ) जलाल्पता (dehydration) के लक्षण। 5
   ब) बालकों में कृमि चिकित्सा। 5
   स) पाण्डु (Anaemia) के लक्षण एवं चिकित्सा। 5

B.A.M.S.[Final Prof.]

BF/2008/11

Shalya Tantra - A

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. शल्य तन्त्र की प्रधानता बताते हुए धन्वन्तरी के बारे में लिखें 10

2. व्रण के लक्षण संक्षेप में लिखें। 5

3. **संक्षेप में लिखें :-**
   - क) कोथ 5
   - ख) सधोव्रण 5
   - ग) रक्षाकर्म 5

4. A) Describe in detail - Wounds. 10
   B) विसर्प पर टिप्पणी लिखें। 5

5. **Write about:**
   - A) Dressing Materials. 5
   - B) Immunology. 10

6. **Write briefly:**
   - A) Radiotherapy. 5
   - B) Cold abscess. 5
   - C) रक्त स्तम्भन 5

7. निर्जीवाणुकरण का विस्तार से वर्णन करें। 15

B.A.M.S.[Final Prof.]

BF/2008/11

Shalya Tantra - B

M.M. : 90 Time : 3 Hours

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. लसीका ग्रन्थी वृद्धि (Lymphodenopathy) के कारण, विभेदक लक्षण बताते हुए श्लीपद का वर्णन करें। 15

2. स्तनगत ग्रन्थी एवं अर्बुद का तुलनात्मक वर्णन करते हुए स्तन अर्बुद की चिकित्सा लिखिए। 15

3. फुफ्फुसावरण शोथ के कारण, लक्षण एवं चिकित्सा लिखें। 15

4. यकृत व प्लीहा वृद्धि के कारणों का उल्लेख करते हुए Amoebic Liver Abscess की चिकित्सा लिखें। 15

5. वंक्षण प्रांत में होने उत्सेध का व्यवच्छेदक निदान लिखकर वंक्षणस्थ आंत्रवृद्धि का विस्तार से वर्णन कीजिए। 15

6. टिप्पणी लिखें। 15
   - क) वृक्काश्मरी
   - ख) Cirrhosis of Liver
   - ग) Injection treatment of piles.

B.A.M.S.[Final Prof.]

BF/2008/11

Kayachikitsa- A

M.M. : 90 Time : 3 Hours

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. कायपद की निरुक्ति एवं कायचिकित्सा का अर्थ स्पष्ट करते हुए, कायचिकित्सा में अग्नि के महत्व को उदाहरण सहित प्रतिपादित कीजिए। 15

2. मानसिक रोगों एवं शारीरिक रोगों की दोष दूष्य सम्मूर्च्छना को स्पष्ट करते हुए दोनों के चिकित्सा सिद्धान्त लिखिए 15

3. **टिप्पणी लिखिए -** 15
   क) पथ्य का चिकित्सा में महत्व
   ख) चिकित्सा चतुष्पाद
   ग) नैष्ठिकी चिकित्सा

4. रोगों के नाम करण सिद्धान्त को स्पष्ट करते हुए अनुत्पत्तिकर चिकित्सा एवं विकार प्रशमन चिकित्सा का वर्णन कीजिए। 15

5. आवरण शब्द का अर्थ स्पष्ट करते हुए आवरण के ज्ञान की विधि एवं आवरण चिकित्सा सिद्धान्त का वर्णन कीजिए। 15

6. **टिप्पणी लिखिए: -** 5+5+5=15
   क) द्विविध उपक्रम
   ख) ओज के क्षय एवं वृद्धि का ज्ञान व चिकित्सा
   ग) सिद्ध एवं आधुनिक चिकित्सा

B.A.M.S.[Final Prof.]

BF/2008/11

Kayachikitsa- B

M.M. : 90 Time : 3 Hours

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. ज्वर की सम्प्राप्ति एवं भेदों का वर्णन करते हुए सन्निपातिक ज्वरों की विशिष्ट चिकित्सा लिखिए। 15

2. पिडिकामय ज्वरों का वर्णन करते हुए रोमान्तिका (measels) की प्रतिषेधात्मक विधि एवं चिकित्सा व्यवस्था पत्र लिखिए। 15

3. **निम्न पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए:-** 5 + 5 + 5 = 15
   क) कर्णमूलिक ज्वर (Mumps)
   ख) नव ज्वर
   ग) वातवलासक ज्वर

4. आमवात का निदान, सम्प्राप्ति, लक्षणों का वर्णन करते हुए चिकित्सा सूत्र एवं चिकित्सा लिखिए। 15

5. कुष्ठ के निदान, सम्प्राप्ति व भेदों का वर्णन करते हुए महाकुष्ठ की चिकित्सा एवं पथ्यापथ्य लिखिए। 15

6. **निम्न पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें ।** 5 + 5 + 5 = 15
   क) धमनी प्रतिचय
   ख) किलास
   ग) कास की चिकित्सा

B.A.M.S.[Final Prof.]

BF/2008/11

Kayachikitsa- C

M.M. : 90 Time : 3 Hours

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. गृध्रसी (sciatica) से आप क्या समझते हैं? इसका निदान, सम्प्राप्ति, लक्षण एवं चिकित्सा लिखें। 15

2. **निम्न में अन्तर स्पष्ट कर सामान्य चिकित्सा सिद्धान्त लिखें –**
   क) रक्तगत वात एवं वात रक्त 5
   ख) अस्थिगत वात एवं सिरागत वात 5
   ग) शुक्रगत वात एवं सन्धिगत वात 5

3. **टिप्पणी लिखें –**
   क) आनुवंशिकी रोग (Hereditary Diseases) 5
   ख) खाद्य पदार्थों की विषाक्तता (Food poisoning) 5
   ग) पीयूषिका अतिक्रियता (Hyper Pituitarism) 5

4. अपस्मार रोग (Epilepsy)का निदान, लक्षण, भेद, सम्प्राप्ति एवं चिकित्सा लिखें। अपस्मार व योषापस्मार में अन्तर लिखिए। 15

5. आन्त्रावरोध (intestinal obstruction) के कारण, निदान, भेद व चिकित्सा व्यवस्था लिखें। 15

6. **निम्न पर टिप्पणी लिखें।** 5 + 5 + 5 = 15
   क) विभ्रम (Hallucination)
   ख) एडीसन्स व्याधि(Addison's Disease)
   ग) तीव्र ज्वर (Hyper Pyrexia)

B.A.M.S.[Final Prof.]

BF/2008/11

Prasooti Tantra Avm
Stri Rog- A

M.M. : 90 Time : 3 Hours

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. अपरा की संरचना एवं विकृतियों का उभयमत से वर्णन करें। 15

2. गर्भिणी की मासानुमासिक परिचर्या का वर्णन आयुर्वेद मत से करें एवं आधुनिक शास्त्रों में वर्णित परिचर्या से उसका सामञ्जस्य स्थापित करें। 15

3. गर्भजन्य विषमयता के कारण एवं चिकित्सा विधि का वर्णन करें। 15

4. उपस्थित प्रसवा के लक्षण, प्रसव प्रक्रिया (Mechanism of Labour) एवं प्रसव की प्रथमावस्था की परिचर्या संक्षेप में लिखें। 15

5. गर्भसङ्ग. की परिभाषा एवं कारण लिखते हुए गर्भाशय के कारण होने वाले गर्भसङ्ग. का विस्तृत वर्णन करें। 15

6. **संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।**
   - क) कृत्रिम प्रसव विधि 15
   - ख) सूतिका मक्कल
   - ग) गर्भ की मासानुमासिक वृद्धि

B.A.M.S.[Final Prof.]

BF/2008/11

Prasooti Tantra Avm
Stri Rog- B

M.M. : 90 Time : 3 Hours

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. कष्टार्तव के निदान, भेद एवं लक्षणों का वर्णन करते हुए चिकित्सा बताएं। 15

2. रजोत्पत्ति समझाते हुए रजोदुष्टि के निदान एवं भेद का वर्णन करें। 15

3. उत्तरवस्ति किसे कहते हैं? उत्तरवस्ति देने की विधि, उपादेयता एवं प्रयुक्त औषध की मात्रा बताएं। 15

4. गर्भाश्य भ्रंश के निदान, भेद, लक्षण एवं चिकित्सा का वर्णन करें। 15

5. प्राचीन एवं आधुनिक मतानुसार स्तनार्बुद के भेद व लक्षण बताएं। 15

6. टिप्पणी लिखें। 5 + 5 + 5 = 15

   क) निरुद्धयोनि

   ख) फलघ्रत

   ग) रजोनिवृत्ति